राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

29.10.2018

बीएचयू ओवरआल चैम्पियन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की वार्षिक खेल महोत्सव 'स्पर्धा-2018' का समापन पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में आईआईटी बीएचयू ओवरआल चैम्पिन बना। कार्यक्रम का शुभारंभ रेसलिंग ओलंम्पियन सुशील कुमार मुख्य अतिथि तथा अर्जुन अवार्डी नमेइरक्पम कुंजरानी देवी विशिष्ट अतिथि ने

आईआईटी बीएचयू 'स्पर्धा-2018'

अगला लक्ष्य टोक्यो ओलम्पिक में गोल्ड मेडल : सुशील कुमार

अभाव में भी भारोत्तोलन में बनी देश की सर्वाधिक पदक विजेता : कुंज रानी

मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

भावी इंजीनियरो को संबोधित करते हुए ओलम्पियन सुशील सिंह ने कहा कि भावी इंजीनियरों को देखने से लगता है कि वे अध्ययन के साथ ही स्पोर्ट्स के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स ही ऐसा रास्ता है जो व्यक्ति को डिप्रेशन में जाने नहीं देता। क्योंकि रियो ओलम्पि के पूर्व

मेरे हाथ में चोट लग जाने के बाद सभी कहते थे कि सुशील रियो ओलम्पिक के लिए अनफिट हो जायेगा, लेकिन हमारे गुरु ने ही हमारा मार्गदर्शन किया और मै रियो ओलम्पिक में जाने में सफल रहा और सिल्वर मेडल जीता, अब हमारा लक्ष्य टोक्यो ओलम्पिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना है। उन्होंने कहा कि जिस चीज के लिए आप तपस्या व त्याग करेंगे सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंजरानी देवी ने संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती दौर में वह कई खेल खेलती थी, लेकिन वर्ष 1985 में पीटी ऊषा दे प्रेरणा लेकर अपना भविष्य भारोत्तोलन में बनाने में जुट गया और देश की सर्वाधिक पदक विजेता बनी। एक बार लंदन जाने के लिए मेरे पास किट तक नहीं था, लेकिन मेरे कोच ने किसी तरह उपलब्ध कराया और वहां मैं गोल्ड मेडल जीता। इस लिए सभी खिलाड़ियों को अपने कोच पर पूरा भरोसा रखते हुए अभ्यास करना चाहिए। खलाड़ी को हमेशा हिम्मत से काम लेना चाहिए, जो हिम्मत से हार गया वह खेल से भी हार जायेगा।

पुरस्कार वितरण समारोह में आईआईटी बीएचयू को ओवरआल चैम्पियन ट्राफी प्रदान की गयी। इसके अलावा सभी खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टीमों को ट्राफी प्रदान की गयी। पुरुष क्रिकेट एवं हॉकी तथा महिला बास्केटबॉल में आईआईटी बीएचयू प्रथम रहा, जबकि फुटबॉल में बीएसएसएस भोपाल ने फाईनल मुकाबले में कांटे के टक्कर में बीएचयू को 1-0 से पराजित कर चैम्पियन बना।